

year as also the labour costs in factories because of the reduction in bonus? Were those aspects taken into consideration when you permitted an increase in prices?

**SHRI P. C. SETHI:** Excise duty is one of the elements in the pricing formula. The hon. Member says that the factories, particularly in the organised sector, whose number is 147 including multi-nationals, are making much larger profits. According to our information, it is not correct. The Hathi Committee recommended that on basic drugs the companies should be in a position to get 10 to 14 per cent profit and on formulations 8 to 11 per cent, if they have to set apart some money for expansion. On the basis of the records and the balance sheets which we are getting, most of the companies are getting a return which is much below what the Hathi Committee has recommended. Therefore, his contention that they are earning more and so the price reduction should be there is not correct.

**MR. SPEAKER:** Next question.

**SHRI N. K. SANGHI:** Sir, my question was clubbed. So, I am entitled to ask two supplementaries.

**MR. SPEAKER:** Not when your name is clubbed. Your question would not have reached, but for its clubbing.

पूर्व रेलवे में बिजली के इंजनों की क्षति

\* 554. श्री रामाबतार शाल्गी : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्व रेलवे के ग्रेड कार्ड सेक्शन में बिजली के इंजन से गाड़ियां चलती हैं;

(ख) क्या गत दो महीनों के दौरान तीन विद्युत्-चालित इंजन घाग से नष्ट

हो गए थे जिस के परिणामस्वरूप रेलवे की लचबग एक करोड़ रुपए की हानि हुई है, और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस हानि के लिए उत्तरदायी रेल अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की है।

रेल संभाल्य में उप-मंत्री (श्री बूढा सिंह) (क) जी हां।

(ख) जी नहीं ! लेकिन, फरवरी 1976 में पूर्व रेलवे के दिल्ली इंजनों में घाग लगने की दो घटनाएं हुईं। ऐसा संदेह है कि ये घटनाएं बदमाशों की गतिविधियों के कारण हुईं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ?

श्री रामाबतार शाल्गी : अध्यक्ष महोदय . सब प्रकार की गड़बड़ी हो रही है। मंत्री महोदय का कहना है कि नहीं। मेरे पास कुछ सबूत हैं हां के पक्ष में। मंत्री महोदय नहीं बः पक्ष में कहते हैं तो फैसला कैसे होगा।

मेरा कहना यह है कि यह मामला बहुत गंभीर है और एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आप कहते हैं कि नहीं हुआ है। और हम कहते हैं कि हुआ है। तो क्या मंत्री महोदय इसकी जांच करने के लिए एक दो मंत्री पार्लियामेंट की एक कमेटी बनायेंगे जिससे सही जानकारी मिल सके।

**MR. SPEAKER:** I am sorry, I cannot agree to this. You can ask for the information. It is the duty of the Government to give information. They have given the information. The hon. Member cannot say that that information is wrong and his information is right. In the question hour he can only seek information and not give information.

श्री रामाबतार शाल्गी : मैंने यह कहा कि मेरे पास कुछ सबूत हैं।

**SHRI BROJENDRA JHA:** In case a wrong answer is given, what is the remedy?

**MR. SPEAKER:** That has to be established in the Question Hour. Members ask for information and Government gives the information. Some Hon. Members may not agree with it, but we have to accept whatever is given by the Government.

**श्री रामाबल्लार शास्त्री :** मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इसकी जांच के लिए कोई कमेटी बनायेगी। सजेशन है कि मंत्रियों की एक कमेटी बनाई जाये।

**अध्यक्ष महोदय :** क्या मंत्री महोदय इनका सजेशन मानते हैं कि कोई जांच कमेटी बनायेगी।

**श्री बूटा सिंह :** इसकी जांच हो रही है। इसके ऊपर और क्या समिति बैठाने की बात है।

**श्री रामाबल्लार शास्त्री :** अगर जांच हो रही है तो वैसा जवाब दीजिये। (व्यवधान) अगर जांच हो रही है तो यह कहे कि इन्वैस्टीगेशन कर रहे हैं।

**श्री बूटा सिंह :** अध्यक्ष महोदय, यदि आप आज्ञा दे तो ये एक बात साफ कर दूँ।

इन्होंने अपने प्रश्न के भाग 'ख' में पूछा है कि 3 ऐसे बिजली के इजला को भाग लग गई। मैंने अपने जवाब में कहा है कि नहीं, दो को लगी है। तो इसमें अन्तर क्या है। यदि माननीय सदस्य के पास कोई सबूत है और हमसे फैसला मांगते हैं तो हम कैसे दे सकते हैं? अगर उनके पास सबूत है तो उन्हें हमारे पास भेजना चाहिये। हम उसकी देखभाल और अगर कोई तथ्य होना तो उसकी जांच करेंगे।

471 LS—2

**श्री रामाबल्लार शास्त्री :** अगर जांच हो रही है तो इनको कहना चाहिए कि हो रही है। अगर जांच खत्म हो गई है तो जो जांच का नतीजा निकला है वह क्या है।

**श्री बूटा सिंह :** मैंने अभी कहा है कि जांच हो रही है, जब जांच हो जायेगी तो उसका परिणाम बताया जायेगा।

**Appointment of Ex-Servicemen as Agents for Distribution of Petrol and Kerosene**

\*559 **SHRI SHANKERRAO SAVANT** Will the Minister of PETROLEUM be pleased to state

(a) how many ex-servicemen applied during 1975-76 in Maharashtra for appointment as agents or sub-agents for the distribution of petrol and kerosene oil, and

(b) how many of these have been so appointed?

**THE MINISTER OF PETROLEUM (SHRI K D MALAVIYA)** (a) and (b) Under the policy of the Indian Oil Corporation for award of dealerships of petroleum products to disabled defence personnel, war-widows, ex-servicemen, etc, 45 agencies have been allotted so far in Maharashtra and 183 applications are awaiting allotment 35 applications from ex-servicemen/dependents of defence personnel, etc from Maharashtra have been registered with the Directorate General of Resettlement, Ministry of Defence during 1975-76. None of them has so far been appointed.

**SHRI SHANKERRAO SAVANT.** Now that Esso and Burmah-Shell have also been taken over by the Government, are you not following the same